

ASMI- The Gender Sensitization Committee of RLAC

~ I Exist

The term gender contains socially and culturally constructed roles imparted to the members of society based on their biological identities. Throughout history, society has practiced the power equation to discriminate its members on the basis of their gender. In a patriarchal system, where the power is accumulated in the hands of a group of male members, the other genders are usually seen as subordinate and dominated by their male counterparts. The constructed gender identities and specific roles by which we are identified has created a huge barrier for women and third gender to assert their voices as equals. It is unfortunate that the biological differences have been established in such a way to determine the destiny of people as superior or inferior. As a result of prolonged discriminatory practices, we have internalized the idea of otherness. In the case of third gender this otherness is rather more stringent to the extent that we hardly notice their representation in any sphere of society. Our conditioning has placed the gendered identity above humanity. We live in the world of technological advancement and claim to be progressive yet the disparity and atrocities against women and third gender continue to take place on psychological, physical and emotional levels. Even though our Constitution grants equal rights to all citizens, it is not translated in our everyday practices. Hence, it is pertinent to address these issues among the young generation of our time for they could bring the internal as well as external changes to the age-longed tribulations of our society.

ASMI- (The Gender Sensitization Committee of RLAC) is pledged to make the students aware about gender related issues and individual's rights irrespective of their gender identities. The name ASMI is significant in defining the aim of this society. The word ASMI means "I am or I exist." Etymologically it comes from Sanskrit *dhaturoop* "AS" which means – "to exist." The gender sensitization club of RLAC runs with the motto that everyone's existence is significant in the same way as ours to us. It promotes the idea of inclusiveness and harmonious co-existence among each entity in the world for a better future. The members of ASMI organize various student centric activities such as performing arts competitions, poster and slogan writings, field survey, talks, seminars, conferences and workshops on numerous aspects of gender issues. The society has started an E-journal on gender sensitization for the students to give a creative platform for their understanding of gender related issues. Our purpose is to make the students a better human being first. By focusing on the harsh realities which in general are swept beneath the carpet, students are enabled to question gender related concerns open-mindedly and discard the ills of antiquity. The various components of society consist of **Gender Champions, Members and E-Journal Editors.**

‘अस्मि’

~में हूँ

‘जेंडर’ की अवधारणा एक समाज में लैंगिक आधार पर निर्धारित सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान से बनती है | हिन्दी भाषा में जेंडर का अनुवाद ‘लैंगिक अस्मिता’ किया जा सकता है | हमारा मानव-इतिहास लैंगिक भेद भाव से संचालित शक्ति समीकरणों से भरा पड़ा है | एक ऐसी पितृसत्तात्मक व्यवस्था में, जो आम तौर पर पुरुष समूहों से संचालित हो अन्य लैंगिक पहचानों का दमन और अधीनता स्वाभाविक है | हम सभी समाज-निर्मित लैंगिक अस्मिताओं और प्रदत्त भूमिकाओं से पहचाने जाते हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस व्यवस्था ने अक्सर स्त्रियों और तीसरे जेंडर द्वारा बराबरी की आवाज़ बुलंद किये जाने में बाधाएँ पैदा की हैं | यह आश्चर्यजनक है कि सामान्य प्राकृतिक जैविक विभेद को भी समाज ने श्रेष्ठ और हीन वर्गों में स्तरीकृत कर दिया है | जन्म से ही उनकी नियति लिंग के आधार पर तय है | दीर्घ अवधि के विभेदिकरण ने हमारे समाज में ‘अन्य’ की अवधारणा को जन्म दिया है | खासकर तीसरे जेंडर के सन्दर्भ में यह अवधारणा इस हद तक कठोर है कि समाज के किसी भी संवृत में उनकी उपस्थिति महसूस ही नहीं होती | हमारे विचारों का पोषण कुछ इस तरह हुआ है कि हम हमेशा लैंगिक अस्मिता को मानवीय अस्मिता के ऊपर रखते हैं | आज हम एक तकनीकी रूप से विकसित दुनिया में जी रहे हैं | एक वैज्ञानिक प्रगतिशील दुनिया में जीने की दायित्व के बावजूद आज भी स्त्री एवं तीसरे जेंडर के साथ मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और शारीरिक अत्याचार हो रहा है | संविधान प्रदत्त बराबरी के अधिकारों का व्यवहार रूप हमारे दैनिक जीवन में कहीं नहीं दिखता | इसलिए यह ज़रूरी है कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के मानसिक पर्यावरण को इस कदर शिक्षित और संवेदित किया जाए कि भविष्य का समाज इस गैरबराबरी, कृत्रिम स्तरीकरण और लैंगिक आक्रामकता से मुक्ति पा सके |

‘अस्मि’ – रामलाल आनंद कॉलेज की ‘लैंगिक अस्मिता संवेदीकरण समिति’ इसी दिशा में एक कदम है | अस्मि शब्द संस्कृत के धातुरूप ‘अस्’ से निर्मित है जिसका अर्थ-सन्दर्भ है - ‘मेरा अस्तित्व है’ | अपने नाम की तरह ही इस समिति का उद्देश्य सभी के अस्तित्व को मान्यता और महत्व दिलाना है | हमारी यह समिति ‘सर्व-समावेशीकरण और सह-अस्तित्व’ के विचार को प्रस्तावित करती है | इसका उद्देश्य कॉलेज में विशेषकर युवा छात्रों में लैंगिक विभेद सम्बंधी मुद्दों और व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना है | नयी पीढ़ी में लैंगिक अस्मिता के प्रति उठने वाली सहज उत्सुकताओं और असहज प्रश्नों को संबोधित करना भी इस समिति का दायित्व है | इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए यह समिति जेंडर सम्बंधी विषयों पर विविध छात्र केन्द्रित गतिविधियों का आयोजन करती है- जैसे – विविध रंग-कला आयोजन, रचनात्मक लेखन, पोस्टर निर्माण, क्षेत्र सर्वेक्षण, संगोष्ठी, वैचारिक सम्मलेन, कार्यशालाएं, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आदि | छात्रों की रचनात्मकता और बौद्धिकता को प्रोत्साहित करने के लिये ई जर्नल ‘अस्मि’ इस समिति का एक महत्वपूर्ण मंच है | ये सभी गतिविधियाँ विद्यार्थियों में

एक बेहतर और उदार मनुष्य बनने का साहस और संघर्ष की चेतना विकसित करती हैं। इस समिति का हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों को एक लैंगिक पहचान बनने से पहले एक मनुष्य बनना सिखाना है।

The Faculty Coordinators are:

1. Dr. Shruti Anand- Convener
2. Ms. Deepshikha Kumari- Co-convener
3. Dr. Manvesh Nath Das- Member
4. Dr. Ritu Vats- Member
5. Dr. Nidhi Chandra- Member
6. Dr. Kuldeep Singh- member

Existing Gender Champions are:

1. Ms. Jennis Jacob - BA H English
2. Ms. Rishika Parasher- BA
3. Saijal Bajaj- BSc. H Stats
4. Lavangi Bhalla- B. Com H
5. Nandani Lavanya- B. A H Pol.Sc
6. Saavy Gupta- BA

विद्यार्थी इस समिति से तीन रूपों में जुड़ सकते हैं-

- 1 **जेंडर चैम्पियन बन कर**- जेंडर चैम्पियन का कार्य है -कॉलेज के पर्यावरण में जेंडर समता स्थापित करना, समिति की गतिविधियों की परिकल्पना और कार्यान्वयन में सहयोग करना, कॉलेज की जेंडर सम्बंधी मान्यताओं का प्रतिनिधित्व करना।
- 2 **समिति का सदस्य बन कर** -कॉलेज के पर्यावरण में जेंडर समता स्थापित करना, समिति की गतिविधियों की परिकल्पना और कार्यान्वयन में सहयोग करना, कॉलेज की जेंडर सम्बंधी मान्यताओं का प्रतिनिधित्व करना, समिति की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेना।
- 3 **ई जर्नल अस्मि के सम्पादक बन कर** -अस्मि पत्रिका एक ई जर्नल है। इसके लिये हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं के छात्र संपादक मंडल का गठन किया जाना है।

उपरोक्त मंचों में सदस्य बनने के लिये इच्छुक सभी छात्रों की प्रविष्टियां आमंत्रित हैं ।

Registrations are open for the positions of Gender Champions and members. Interested candidates please open a separate link and fill all the details.

<https://forms.gle/jdbLpEAaUpLByVjr8> Registration for Membership

<https://forms.gle/vMzUybss3G2Qcy7b9> Registration for Gender Champions open for 1st Y students only.